साधु भाई जग सपना री बाजी,
चेत सके तो चेत बावरा,
घंटी लारली बाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।।

सपने रंक राजा होय बैठो,
घर घोड़ा घर ताजी,
बतीस भोजन थाल सोवना,
भात भात री भाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।।

सपने बाँझ पुत्र एक जायो,
मंगल गायो राजी,
जाग पड़ी जब हुई निपूती,
होया ऊदासी माझी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।।

वेद पुराण भागवत गीता,
थक गए पंडित काजी,
ऐसा मर्द गर्द में माटी मे मिलगा,
लंका पती सा पाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।।

रजू में सरप सीप ज्यू मोती,
ज्यू जग मीथ्या बाजी,
कहे कबीर सुनो भाई सन्तो,
राम बजिया सु राजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।।

साधु भाई जग सपना री बाजी,
चेत सके तो चेत बावरा,
घंटी लारली बाजी,
ओ मन मेरा जग सपने री बाजी।।

स्वर रामनिवास राव जी।
प्रेषक संतोष महाराज पुष्करणा।

Source: https://www.bharattemples.com/sadhu-bhai-jag-sapna-ri-baji/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw